प्रेस विज्ञप्ति (3 जून, 2023)

पूसा एग्री हाट, भा.कृ.अनु.प.- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में आर्यावर्त स्वदेशी उत्पाद के स्टाल का उद्घाटन, भा.कृ.अनु.प. के महानिदेशक एवं सचिव डेयर, डॉ. हिमांशु पाठक के द्वारा और वेद मंत्रों की गूंज के साथ संपन्न हुआ।

किसानों के उत्पादों को सीधे उपभोक्ता को उपलब्ध कराने के प्रयास में पूसा एग्री हाट का निर्माण किया गया है जिसका उद्देश्य शुद्ध स्वदेशी कृषि उत्पादों को जन-जन तक पहुंचाना है। पूसा एग्री हाट में आर्यावर्त स्वदेशी उत्पाद की दुकान नं. 47 पूसा के उद्घाटन समारोह में महानिदेशक डा. हिमांशु पाठक मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर डॉ. पाठक ने कहा कि जैविक या प्राकृतिक कृषि हमारी सनातन परंपरा रही है जिसमें हम जल, जीवन, जलवायु, जंगल, जानवर,जमीन, जनता और जनादेश, सब को साथ लेकर चलते हैं। प्रगति और प्रकृति को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है।

डॉ. पाठक ने कहा कि पूसा संस्थान उनकी आत्मा है और यहां के वैज्ञानिक उनके अंग-प्रत्यंग हैं| उन्होंने आश्वासन दिया कि पूसा एग्री हाट को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव सहयोग वे देते रहेंगे। डॉ० सी० विश्वनाथन, संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अनु.सं. ने पूसा हाट की उपयोगिता को बताते हुए कहा कि अब दिल्लीवासियों को शुद्ध एवं सात्विक खाद्य पदार्थ सीधे किसानों द्वारा उपलब्ध होंगे। संस्थान के संयुक्त निदेशक (प्रसार) डॉ. आर. एन. पडारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें सभी नागरिकों के पोषण एवं स्वास्थ्य का ख्याल रखना होगा और इसके लिए किसानों के बीच प्राकृतिक कृषि का प्रचार-प्रसार करना होगा। इस अवसर पर डा० भोपाल सिंह तोमर, संभागाध्यक्ष (शाकीय विज्ञान संभाग) और डा० जयप्रकाश सिंह डबास, प्रभारी, कृषि प्रौद्योगिकी आकलन एवं स्थानांतरण केंद्र ने भी जन समूह को अपने विचारों से अवगत करवाया और प्राकृतिक कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन समारोह के मुख्य वक्ता, अथर्ववेद के प्रकांड पंडित, आचार्य हनुमत प्रसाद उपाध्याय जी ने कहा, देश का किसान यदि वेद के अनुसार सत्याचरण करेगा तो कभी भी अपनी भूमि में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशियों का अनुप्रयोग नहीं करेगा। इनके अनुसार कृषि कार्य वैश्य वर्ण में आता है जिसके अंतर्गत अन्न उगाने वाला और उसका व्यापार करने वाला, दोनों आते हैं अर्थात किसान और व्यापारी दोनों यदि सत्य की राह पर चलेंगे तो व्यापार भी सात्विक बन जाएगा। इस समारोह में देश के प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक, पद्म श्री से सम्मानित डा. वी.पी. सिंह ने संस्थान से जुड़ी अपनी यादों को साझा किया। उन्होंने समारोह में आए संभागाध्यक्षों, वैज्ञानिकों, हाट के सभी दुकानदार भाइयों-बहनों और उपस्थित सभी व्यक्तियों को धन्यवाद दिया तथा पूसा एग्री हाट का जन-जन तक प्रसार करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के आयोजक डॉ. सुनील आर्य (निदेशक-आर्यावर्त का वैदिक चिकित्सालय प्रा०लिमिटेड) ने समारोह में आए सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

॥ ओ३म ॥
आर्यावर्त स्वदेशी उत्पाद
पूसा एग्री हाट शॉप नंबर–47
उद्घाटन समारोह
मुख्य अतिथि:- डॉ. हिमांशु पाठक
सचिव– डेयर एवं महानिदेशक– भा कृ अ प
मुख्य वक्ता
आचार्य हनुमत प्रसाद उपाध्याय जी
(अथर्ववेदाचार्य). अध्यक्ष-आर्य महासंघ

G20
आजादी का अमृत महोत्सव
MILLETS
आजादी का अमृत महोत्सव
अनुसूचित जाति उप योजना
एवम् बीज वितरण
2023